Roll No. ……..

MASL–204

नाटक एवं नाटिका

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12/16)

द्वितीय वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 60

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि शूद्रक का जीवन परिचय दीजिये।
2. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिये।
3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए—

   (क) सत्यं न मे विभवनाशकृतास्ति चिन्ता
   भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।
   एतत्तु मां दहति नष्टधनाश्रयस्य
   यत्सौहृदादपि जनाः शिथिली भवन्ति।

(ख) आलोक विशाला मे सहसा तिमिरप्रवेशविच्छिन्न।
उन्मीलितापि दृष्टिर्निमीलितेवान्धकारेण॥

(ग) त्रेताहृतसर्वस्वः पावरपतनाच्च शोषित शरीरः।
नर्दित दर्शित मार्गः करेन विनिपातितो यामि॥

4. 'रत्नावली' नाटिका के आधार पर विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'मृच्छकटिकम्' के 'अलंकारन्यास' नामक प्रथम अंक की विषय-वस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।
2. मदनिका का चरित्र-चित्रण कीजिये।
3. 'मृच्छकटिक' एक 'प्रकरण' ग्रन्थ है। इसे सिद्ध कीजिये।
4. 'मृच्छकटिक' के तृतीय अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।
5. मैत्रेय का चरित्र-चित्रण कीजिये।
6. 'रत्नावली' नाटिका के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिये।
7. 'रत्नावली' के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।
8. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिये—

दारिद्रयान्मरणाद्वा मरणं मम रोचते न दारिद्रयम्।
अपक्लेशं मरणं दारिद्रयमनन्तकं दुःखम्॥

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित में सही उत्तर चुनिए।

1. 'मृच्छकटिक' है—

   (अ) नाटक (ब) प्रकरण

   (स) भाण (द) समवकार

2. मृच्छकटिक में विदूषक है—

   (अ) माढव्य (ब) गौतम

   (स) मैत्रेय (द) वसन्तक

3. 'मृच्छकटिक' में चारुदत्त की पत्नी है—

   (अ) धूता (ब) मदनिका

   (स) रदनिका (द) वसन्तसेना

4. चारुदत्त के द्वारा वसन्तसेना की हत्या का मिथ्यारोप करता है—

   (अ) विट (ब) शकार

   (स) माथुर (द) स्थावरक

5. 'मृच्छकटिक' में अंक हैं—

   (अ) पाँच (ब) सात

   (स) चार (द) दस

6. सन्धिच्छेद अंक है—

(अ) दूसरा (ब) तीसरा

(स) पाँचवां (द) षष्ठ

7. मिट्टी की गाड़ी में आभूषण रखती है—

(अ) मदनिका (ब) रदनिका

(स) वसन्तसेना (द) धूता

8. 'रत्नावली' के रचयिता हैं—

(अ) श्रीहर्ष (ब) राजशेखर

(स) मुरारी (द) जयदेव

9. 'रत्नावली' में अंक हैं—

(अ) पाँच (ब) चार

(स) सात (द) छः

10. रत्नावली राजकन्या है—

(अ) अवन्ति की (ब) मगध की

(स) सिंहल की (द) विदर्भ की